व्याकरण

लिंग

परिभाषा -

जिस तरह प्राणियों की जाति होती है और उसे हम पुरुष या स्त्री के रूप में जानते हैं। उसी तरह शब्दों की भी जाति होती है। शब्दों की इस जाति का निर्धारण स्त्रीलिंग और पुलिंग के रूप में जानते हैं। इस तरह अगर लिंग की परिभाषा देना चाहें, तो इस तरह हम कह सकते हैं -

संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु का जाति-निर्धारण किया जाता है, उसे हम लिंग कहते हैं।

यहाँ 'संज्ञा के जिस रूप से' सीधा तात्पर्य उसकी जाति से है। संज्ञा किसी वस्तु, व्यक्ति या भाव आदि के नाम को कहते हैं। किसी भी चीज का जब नाम दिया जाता है, तो हमें यह जानना चाहिए कि उसे शब्द में व्यक्त किया जाता है। शब्दों के साथ उसकी जाति भी होती है अर्थात् वह शब्द स्त्रीलिंग होगा या पुलिंग।

संज्ञा या शब्दों के दो रूप होते हैं - प्राणिवाचक और अप्राणिवाचक। इन दोनों ही रूपों में शब्दों का लिंग निर्धारण होता है। प्राणिवाचक शब्दों का लिंग निर्धारण हम यह समझकर कर लेते हैं कि वह पुरुष है या स्त्री। अगर पुरुष है, तो पुलिंग और अगर स्त्री है, तो स्त्रीलिंग। जैसे - बैल, घोड़ा, कुत्ता, राम, श्याम, मोहन (पुलिंग), भैंस, घोड़ी, बकरी, गाय, सीता, गीता (स्त्रीलिंग) आदि। अप्राणिवाचक शब्दों का भी लिंग-निर्धारण होता है; क्योंकि हम जानते हैं कि प्रत्येक शब्द की अपनी जाति होती है। जैसे- लोटा, वृक्ष, पत्ता, स्कूल, घर (पुलिंग), कलम, सड़क, दाल, रोटी, साड़ी, किताब, कॉपी (स्त्रीलिंग) आदि।

लिंग के प्रकार

हम जानते हैं कि संसार के सभी प्राणिवाचक और अप्राणिवाचक की तीन जातियाँ होती हैं - **1. स्त्री 2. पुरुष 3. जड़**। इन्हीं तीनों के आधार पर **स्त्रीलिंग, पुलिंग और नपुंसकलिंग** का निर्धारण किया जाता है। लेकिन हिन्दी में केवल **स्त्रीलिंग और पुलिंग** केवल दो लिंग हैं। हिन्दी भाषा में नपुंसक लिंग की व्यवस्था नहीं है।

स्त्रीलिंग

जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध हो, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे - लड़की, कलम, किताब, सड़क, कुर्सी, गाय आदि।

Scanned with CamScanner

पुलिंग

जिस शब्द से पुरुष जाति का बोध हो, उसे पुलिंग कहा जाता है। जैसे- वृक्ष, बैल, घोड़ा, मोहन, पटना, लोटा, भात आदि।

शब्दों का लिंग निर्धारण

शब्दों के लिंग जानने के लिए व्याकरण में कुछ खास नियम बताये गये हैं। इस सम्बन्ध में पं. कामता प्रसाद गुरू ने संस्कृत के तत्सम शब्दों के लिंग निर्धारण के लिए निम्न लिखित विधियाँ बतायी हैं।

संस्कृत के तत्सम पुलिंग शब्दों का लिंग-निर्धारण

1 जिन शब्दों के अन्त में 'त्र' हो, वे पुलिंग शब्द होते हैं। जैसे- नेत्र, चित्र, चरित्र, शास्त्र, शस्त्र, क्षेत्र इत्यादि।

2. आन्त शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे- नयन, पालन, पोषण, वचन, गमन, हरण, गमन इत्यादि।

3 'ज' प्रत्यांत संज्ञायें पुलिंग होती हैं अर्थात् 'ज' प्रत्यय से अन्त होनेवाली संज्ञायें पुलिंग मानी जाती हैं। जैसे- जलज, स्वेदज, अण्डज, पिण्डज, सरोज आदि।

4 जिन शब्दों के अन्त में त्व, त्य, व, य होता है, वे पुलिंग होते हैं। जैसे- मातृत्व, स्त्रीत्व, बहुत्व, नृत्य, कृत्य; लाघव, गौरव, माधुर्य इत्यादि।

5 जिन शब्दों के अन्त में 'आर', 'आय' अथवा 'आस' हो, वे पुलिंग माने जाते हैं। जैसे- विकार, विस्तार, संसार, अध्याय, समुदाय, उल्लास, विकास, ह्रास इत्यादि।

6 'अ' प्रत्यांत संज्ञायें अर्थात् 'अ' प्रत्ययवाले शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे -क्रोध, मोह, पाक, त्याग, दोष, स्पर्श इत्यादि।

7. 'त' प्रत्यांत संज्ञायें अर्थात् 'त' प्रत्ययवाले शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे -चरित, फलित, मत, गीत, स्वागत इत्यादि।

8 जिन शब्दों के अन्त में 'ख' हो, वे पुलिंग होते हैं। जैसे नख, मुख, सुख, दुख, लेख, शंख इत्यादि।

संस्कृत के तत्सम स्त्रीलिंग शब्दों का लिंग-निर्धारण

1 आकारान्त संज्ञायें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे- दया, माया, कृपा, लज्जा, क्षमा, शोभा, सभा इत्यादि।

2. नाकारांत शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे-प्रार्थना, वेदना, प्रस्तावना, रचना, घटना इत्यादि।

3. 'उ' प्रत्ययवाले शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे - वायु, रेणु, मृत्यु, आयु, वस्तु ऋतु इत्यादि।

अपवाद- मधु, अश्रु, तालु, मेरु, हेतु, सेतु इत्यादि।

4. जिन शब्दों के अन्त में 'ति' या 'नि' होती है, वे स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -गति,मति, जाति, रीति, हानि, ग्लानि इत्यादि।

5. 'इकारान्त' शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- निधि, विधि, परिधि, शशि, अग्नि, अलि, केलि, रुचि इत्यादि।

अपवाद - वारि, जलधि, पयोधि, गिरि इत्यादि।

6. 'ता' प्रत्ययवाले भाववाचक शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे - नम्रता, लघुता, प्रभुता, सुन्दरता, जड़ता इत्यादि।

Scanned with CamScanner

7. 'इमा' प्रत्ययवाले शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- महिमा, गरिमा, कालिमा, लालिमा इत्यादि।

तद्भव शब्दों का लिंग-निर्धारण

तद्भव अप्राणिवाचक शब्दों के लिंग-निर्धारण हेतु निम्नलिखित नियम बताये गये हैं।

तद्भव पुलिंग

1. उनवाचक संज्ञाओं को छोड़कर शेष आकारान्त शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे- कपड़ा, गन्ना, पैसा, पहिया, आँटा, चमड़ा इत्यादि।
2. जिन भाववाचक शब्दों के अन्त में 'ना', 'आव', 'पन', 'वा, 'पा' होता है, वे पुलिंग होते हैं। जैसे-आना, गाना, बहाव, दुराव, चढ़ाव, बड़प्पन, बुढ़ापा इत्यादि।
3. कृदन्त के 'आन' शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे - लगान, मिलान, खान, पान, नहान, उठान इत्यादि।

तद्भव स्त्रीलिंग शब्द

1. ईकारान्त शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -नदी, चिट्ठी, रोटी, टोपी, उदासी इत्यादि।
   अपवाद- मोती, पानी, दही, घी, जी, मही इत्यादि।
2. उनवाचक याकारान्त शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -पुड़िया, खटिया, डिबिया इत्यादि।
3. तकारान्त शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- रात, बात, लात, छत, भीत, पत इत्यादि।
   अपवाद- भात, खेत, सूत, दाँत इत्यादि।
4. ऊकारान्त शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -बालू, लू, दारू, ब्यालू इत्यादि।
   अपवाद- आँसू, आलू, रतालू, टेसू इत्यादि।
5. अनुस्वारांत शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -सरसों, खड़ाऊँ, भौं, जूँ, इत्यादि।
   अपवाद- गेहूँ।
6. सकारान्त शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे-प्यास, मिठास, रास (लगाम), बाँस, साँस इत्यादि।
7. कृदन्त के नकारांत शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -रहन, सूजन, जलन, उलझन, चुभन इत्यादि।
8. कृदन्त के अकारान्त शब्द (संज्ञा) स्त्रीलिंग होते हैं। लूट, मार, समझ, दौड़, संभाल, चमक, छाप, पुकार इत्यादि।
   अपवाद - खेल, नाच, मेल, बिगाड़, बोल इत्यादि।
9. जिन भाववाचक शब्दों के अन्त में 'वट', 'ट', 'हट' हो, वे स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- सजावट, बनावट, थकावट; चिकनाहट, घबड़ाहट, झंझट, आहट इत्यादि।
10. जिन शब्दों के अन्त में 'ख' हो, वे स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे ईख, भूख, राख, चीख, काँख, कोख इत्यादि।
    अपवाद- पाख, रुख इत्यादि।

अर्थ के अनुसार शब्दों का लिंग-निर्धारण

अर्थ के अनुसार भी अप्राणिवाचक शब्दों का लिंग-निर्णय किया जाता है। पं. कामता प्रसाद गुरू ने इस आधार को 'अव्यापक और अपूर्ण' कहा है। इसका कारण यह है कि इसके जितने उदाहरण मिलते हैं, प्रायः उतने ही अपवाद मिलते हैं। उन्होंने इसके लिए जितने भी नियम बनाये हैं, उनमें अपवादों की भरमार है। इसके लिए बनाये गये नियम निम्नलिखित हैं-

1. नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- गंगा, यमुना, गोदावरी इत्यादि।
   अपवाद - शोण, सिन्धु, ब्रह्मपुत्र।
2. नक्षत्रों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे -भरणी, अश्विनी, रोहिणी इत्यादि

Scanned with CamScanner

अपवाद- पुष्य, अभिजीत इत्यादि।

3. बनिये की दुकान की चीजें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे -लौंग, इलायची,मिर्च, हल्दी, सुपारी इत्यादि।

अपवाद- धनिया, जीरा, नमक, कपूर इत्यादि।

4. खाने-पीने की चीजें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे -कचौड़ी, पूरी, खीर, दाल, पकौड़ी, रोटी, चपाती, तरकारी इत्यादि।

अपवाद- पराठा, हलुआ, भात, दही, रायता इत्यादि।

प्रत्यय के आधार पर तद्भव हिन्दी शब्दों का लिंग निर्णय

1. स्त्रीलिंग कृदन्त प्रत्ययवाले शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- आई-लड़ाई, आहट-घबराहट, औती-मनौती, ती-गिनती, नी-करनी, भरनी इत्यादि।
2. पुलिंग कृदन्त प्रत्यय वाले शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे-अक्कड़-पियक्कड़, आ- घेरा, आकू-लड़ाकू, आपा- बुढ़ापा इत्यादि।
3. स्त्रीलिंग तद्धित प्रत्ययवाले शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे- आई-भलाई, एली-हथेली, औड़ी-हथौड़ी इत्यादि।
4. पुलिंग तद्धित प्रत्ययवाले शब्द पुलिंग होते हैं - आऊ-बिकाऊ, आका- धमाका, ओटा-लंगोटा, वाला-टोपीवाला, वान- गाड़ीवान इत्यादि।

उर्दू शब्दों का लिंग-निर्णय

पुलिंग उर्दू शब्द

1. जिसके अन्त में 'आब' हो, वे पुलिंग शब्द होते हैं। जैसे - जवाब, गुलाब, हिसाब, जुलाब, कबाब इत्यादि।

   अपवाद- शराब, किताब, इत्यादि।

2. जिन शब्दों के अन्त में 'आर' या 'आन' लगा हो, वे पुलिंग होते हैं। जैसे - बाजार, इकरार, इश्तिहार, अहसान, मकान, सामान, इम्तिहान इत्यादि।

   अपवाद - सरकार, तकरार, दुकान इत्यादि।

3. आकारान्त शब्द पुलिंग होते हैं। जैसे -परदा, गुस्सा आदि।

स्त्रीलिंग उर्दू शब्द

1. ईकारान्त भाववाचक संज्ञायें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे -गरीबी, गरमी, बीमारी, चालाकी, तैयारी, नवाबी इत्यादि।
2. शकारान्त संज्ञायें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे-लाश, तलाश, नालिश, कोशिश, वारिश, मालिश इत्यादि।

   अपवाद-तारा, होश इत्यादि।

3. तकारांत संज्ञाये स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे- दौलत, इजाजत, कीमत, अदालत इत्यादि।

   अपवाद- शरबत, दस्तखत, तख्त, दरख्त इत्यादि।

4. आकारांत संज्ञायें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे -हवा, दवा, सजा इत्यादि।
5. हकारान्त संज्ञायें स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे - सुबह, सुलह, तरह, सलाह, आह इत्यादि।

Scanned with CamScanner

अंग्रेजी शब्दों का लिंग निर्णय

अंग्रेजी शब्दों के लिंग निर्णय के सम्बन्ध में डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद का कहना है कि **अकारान्त आकारान्त और ओकारान्त को पुलिंग और ईकारान्त को स्त्रीलिंग समझना चाहिए।** जैसे

पुलिंग अकारान्त- आर्डर, इंजन, इंजीनियर, कॉलेज, क्रिकेट, गैस, चेन, पेपर, प्रेस इत्यादि।

आकारान्त - सिनेमा, कैमरा, ड्रामा, मलेरिया इत्यादि।

ओकारान्त - रेडियो, स्टूडियो,

इकारान्त-एसेम्बली, कॉपी, डायरी, डिग्री, टाई, पार्टी इत्यादि।

Scanned with CamScanner